Edit with WPS Office

विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- तृतीय, विषय- हिंदी, दिनांक-17-09-2020

पाठ-12

एन.सी.आर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों,

बच्चों पिछले दो दिनों से आपने मदर टेरेसा का कहानी अध्ययन कर रहे हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपने इस कहानी का अध्ययन पूरे मनोयोग से किए होंगे। आज की कक्षा में आपको शेष भाग का अध्ययन करना है जो कि इस प्रकार है-

एक दिन पड़ोस के शरारती लड़के के साथ अपने तीनों बच्चों को खेलते देख मां को बहुत चिंता हुई। उन्होंने एक उपाय सोचा। वह बाजार से सेब की एक टोकरी खरीद लाई। साथ में सड़क पर पड़ा एक सेब भी उठा कर लाई। उसी रात मा तीनों बच्चों को लेकर बैठ गई। उन्होंने छुटकी गौंझा से कहा,"ताजे सेबों के बीचो -बीच इस सड़े सेब को रख दो।"

टुकड़ी को ढककर एक ओर रख दिया गया। कुछ दिन बाद माने सेब की टोकरी मंगाई। तीनों बच्चों के सामने टोकरी का ढक्कन हटाया गया। टोकरी के सारे सेव सड़ चुके थे।

मानी समझाया, मेरे प्यारे बच्चों एक गंदा सेब सारे सेबो को सड़ा देता है। इसी प्रकार, गंदी आदतों वाला एक बच्चा सब की आदतें गंदी कर देता है।"

उसी दिन के बाद तीनों बच्चों ने सदैव शिष्ट और और शालीन बच्चों के साथ ही मित्रता की।

बच्चों इस कहानी से हमने सीखा की अपने माता-पिता की बात मानना और अच्छी संगति में रहना सीखा।

बच्चों, इस कहानी को जोर-जोर से पढ़कर अपने माता व पिता को सुनाएं और कठिन शब्द चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में शुद्ध -शुद्ध एवं साफ अक्षरों में लिखें।

आज इस कहानी का समापन हो गया।

-